# विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–3 | अंक–9 | अक्टूबर–दिसम्बर, 2015

www.vidyabhawan.org


## एक विडम्बना !

रवि एस. भण्डारी
पूर्व छात्र, विद्या भवन स्कूल


शुरुआत से ही विद्या भवन शैक्षणिक प्रयोगशाला रही है। यहाँ तरह-तरह की पद्धतियों से पढ़ाने के प्रयोग किए गए। उस समय एक प्रमुख प्रयोग 'डॉल्टन प्लान' था। इस प्रयोग की प्रमुख विशेषता यह थी कि बच्चों का कक्षा में बैठना आवश्यक नहीं था परंतु उक्त कक्षा के लिए शिक्षक अवश्य मौजूद रहते, कक्षा लेने के लिए। अर्थात इसमें विद्यार्थियों को पढ़ने-न-पढ़ने की पूरी आज़ादी थी। इस आज़ादी का विद्यार्थी अनुचित लाभ भी उठाते। इन क्षणों में विद्यार्थी नाना प्रकार के खेलकूद और अन्य कार्यों में समय व्यतीत कर देते। विद्यार्थियों को असाइनमेंट दिए जाते, उसे भी वे अपने हिसाब से ही पूरा करते। उश्रृंखलता के बीच और प्रतिस्पर्द्धा के अभाव में विद्या भवन के विद्यार्थी कैसे जिम्मेदार नागरिक बन जाते, यही विडम्बना रवि एस. भंडारी ने यहाँ बयान की है।

उन दिनों विद्या भवन के किनारे-किनारे फतहसागर से एक नहर निकला करती थी। इस नहर से आस-पास के खेतों की सिंचाई हुआ करती। नहर के अवशेष आज भी हैं। हम साथियों, जिनमें हरिगोपाल त्रिवेदी भी शामिल थे, के साथ मिलकर नहर का पानी डायवर्ट करने का प्रयास करते रहते थे। एक बड़ा गढ्ढा खोदने की कोशिश करते ताकि पानी को अन्य जगह संग्रह कर सकें। इस तरह सारा दिन रचनात्मक कार्य करते हुए मस्ती और शैतानी में गुजरता।

विद्या भवन में उस समय विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव नहीं रहता और वे गैर जिम्मेदार रवैये में लगे रहते। इस तरह से डॉल्टन प्लान में विद्यार्थियों को कुछ भी करने की छूट थी। आठवीं कक्षा तक पढ़ाई अनियमित ही होती थी। उसके बाद विद्यार्थी परीक्षाओं की ओर आमुख होते। उस समय इतनी प्रतियोगिता भी नहीं थीं। विद्यार्थियों की रैंकिंग भी नहीं की जाती, सभी को समान माना जाता। पढ़ने की बाध्यता भी नहीं थी। पूरी तरह से छूट में विद्यार्थी पढ़ाई का उचित लाभ नहीं उठा पाते। इससे मैट्रिक तक के परिणाम बहुत लंबे समय तक दुर्भाग्यपूर्ण रहे। एक बार तो मैट्रिक में सभी विद्यार्थी फेल हुए सिवाय एक के। छूट की पराकाष्ठा का एक और उदाहरण यह था कि कुछ अध्यापकों की यह दृढ़ धारणा थी कि छात्र को प्रोत्साहन मिले तभी वे पढ़ाई कर सकते हैं। इसके प्रभाव से बोर्ड की पढ़ाई भी उपेक्षित हो जाती। इस प्रकार ऐसे कई प्रयोग असफल रहे।

अन्य कारणों से विद्यार्थियों में शिक्षा का दबाव तो नहीं होता परंतु समाजोन्मुख वातावरण होने से वे समाज के प्रति एक प्रकार की ज़िम्मेदारी महसूस करते। वास्तव में विद्या भवन की भी यही कोशिश रही कि विद्यार्थी एक ज़िम्मेदार नागरिक बने। यह विद्या भवन के उद्देश्यों में भी शामिल है। चाहे वह पढ़ाई में अच्छा हो या न हो पर वे कुछ न कुछ करते रहते। इस प्रकार विद्या भवन प्रारम्भ से ही एक अच्छे नागरिक बनाने की प्रयोगशाला रही।

यह विडंबना ही थी कि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई व परीक्षा की ओर गंभीर नहीं


शेष पृष्ठ 2 पर...


### अंदर देखें...


- ✓ पुष्कर घाटी में मनाई वनशाला 3
- ✓ गांधी के सिद्धान्तों का स्मरण किया 4
- ✓ वार्षिकोत्सव में बजा स्कूल का डंका 5
- ✓ केरियर की तैयारी 6
- ✓ पक्षियों का आशियाना पेड़–पौधे 8
- ✓ तैयारी और मेहनत के साथ पढ़ाएँ 9
- ✓ सांसद ने देखा कृषि विज्ञान केन्द्र 13
- ✓ नर्सरी स्कूल इन्टरवेंशन 14

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता में परेड करते विद्यार्थी

## सम्पादकीय...

विद्या भवन की अनूठी परम्पराओं में से एक है वनशाला और दूसरा है वार्षिकोत्सव। इस वर्ष विद्या भवन सी. सै. स्कूल ने वनशाला तो विद्या भवन पब्लिक स्कूल ने वार्षिकोत्सव मनाया। ये दोनों ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनके माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास सम्भव है। वनशाला जाकर विद्यार्थी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयं काम करना सीखते हैं। इससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ती है और यही आत्मनिर्भरता उनके व्यावहारिक जीवन में काम आती है। वार्षिकोत्सव में भी पब्लिक स्कूल के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रस्तुतीकरण का मौका मिला। यह विद्या भवन की इस विशेषता को दर्शाता है कि यहाँ प्रत्येक बच्चे को समान अवसर दिए जाते हैं। विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण पर भी गए जहाँ उनकी कल्पनाओं को नई दिशा मिली।

विद्या भवन के स्कूल और अन्य संस्थाओं में आयोजित गतिविधियाँ यह दर्शाती है कि यहाँ केवल किताबी शिक्षा नहीं बल्कि विद्यार्थियों को उनके मानसिक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, शारीरिक विकास के भी बराबर मौके दिए जा रहे हैं। कार्यशालाओं के माध्यम से उनके केरियर की भी तैयारी करवाई जा रही है। शिक्षक-अभिभावक बैठक में भी इसे बताया जा रहा है। अध्यापकों की भी तैयारी करवाई जा रही है। भाषा कार्यशाला इसका एक उदाहरण है।

**सलाहकार**
हृदय कान्त दीवान

**संपादन**
गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

**ले-आउट, डिजाइनिंग**
एस.एम. इकराम

# गलतियाँ हैं सीखने की सीढ़ियाँ

विद्या भवन स्कूल के भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री ने भाषा एवँ उससे संबंधित विषयों पर शिक्षकों के साथ चर्चा की। तीन दिवसीय कार्यशाला में खुले सत्र हुए जिसमें शिक्षकों ने अपने कक्षा-कक्ष के अनुभवों को अन्य शिक्षकों के साथ साझा किया। कार्यशाला में शिक्षकों की समझ बनी कि बच्चे जो गलतियाँ करते हैं वास्तव में वे गलतियाँ नहीं होकर सीखने की सीढ़ियाँ हैं। इस संबंध में कई उदाहरण प्रस्तुत किए गए तथा उन पर चर्चा की गई। शिक्षकों की यह भी समझ बनी कि बच्चे भाषा संबंधी कई विविधताएँ लेकर कक्षा में आते हैं। अतः शिक्षक विद्यार्थी को विद्यालय के माध्यम के रूप में संचालित भाषा बोलने के लिए बाध्य नहीं करें। शिक्षक को बच्चे की भाषा का आदर करना चाहिए तथा कक्षा में बच्चों की स्थानीय भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। चर्चा के बाद शिक्षकों ने जाना कि क्षेत्रीय भाषा बच्चों के सीखने में सहायक है न कि बाधक। नए शिक्षक, जो कि पहली बार इस तरह की कार्यशाला में भाग ले रहे थे उनके लिए प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री का सान्निध्य एक विलक्षण अनुभव रहा। शिक्षकों का कहना था कि कार्यशाला में नए मुद्दों को शामिल किया जाना चाहिए तथा ऐसी कार्यशालाएँ नियमित अंतराल में आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि चर्चा के बिन्दु शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर चुने जाए। इस तरह की कार्यशाला अंग्रेजी विषय पर भी होनी चाहिए।

कार्यशाला में प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री एवं कमल महेन्दू से चर्चा करते भाषा शिक्षक

होने के बावजूद भी उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायित्व महसूस होता। उन्हें विद्यालय में पूरी आजादी मिलती, जिसका विद्यार्थी अधिकांश रूप में दुरुपयोग करते लेकिन जाने-अंजाने में वे ज़िम्मेदार नागरिक भी बन जाते। यह उत्तरदायित्व उन्हें निष्ठावान बना देता। हालांकि वे प्रतिस्पर्द्धा में पिछड़ जाते और शायद यही कारण था कि विद्या भवन के प्रति शहरवासियों की भावना अस्वीकारता की रही। विद्या भवन में शहर के लोग बहुत कम पढ़ने आते क्योंकि यहाँ के विद्यार्थी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते। अभिभावक अपने बच्चों को विद्या भवन में भेजने से कतराते। वे इसे 'वगड़िया भवन' कहते। इस तरह से शहर के लोगों ने विद्या भवन का लाभ कम उठाया। यहाँ विद्यार्थियों को पूरी छूट देना बुरा नहीं समझा जाता। वास्तव में विद्या भवन स्पर्द्धा के विरोध में एवं प्रयोगधर्मिता में ही पनपता रहा है।

रवि भण्डारी मूलतः भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा के रहने वाले हैं। उनके पिताजी बनेड़ा रियासत के दीवान थे। 1931 में स्काउट मूवमेंट के तत्वावधान में ऑल इण्डिया जैंबूरी हुई, जिसमें इन्होंने 'कब' के रूप में भाग लिया। स्काउटिंग में बच्चे 'कब' कहलाते थे। मध्यम श्रेणी के बच्चे स्काउट तथा बड़े बच्चे रोवर कहलाते थे। उन्होंने विद्या भवन में कक्षा 6 में प्रवेश लिया। वे 1945 तक यहाँ रहे। उस समय विद्या भवन के हेड मास्टर के. एल. श्रीमाली थे। मैट्रीक के बाद वे शांति निकेतन चले गए। जहाँ रवीन्द्र नाथ टैगोर के सान्निध्य में रहे। वहां उन्होंने अवीन्द्रनाथ से भी बहुत कुछ सीखा। वे ग्रेजुएशन तक शांति निकेतन रहे।

साक्षात्कारकर्ता : गिरीश शर्मा

# विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

## खेल-कूद की रही है परंपरा

विद्यालय में चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नर्सरी, जूनियर एवँ सीनियर विभाग की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। विद्यार्थियों को पाँच हाऊस में बाँटा गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व छात्र डॉ. महेन्द्रसिंह यादव ने कहा कि खेलकूद विद्या भवन की परम्परा रही है। विद्या भवन की हॉकी टीम कभी महत्त्वपूर्ण टीम के रूप में जानी जाती थी। उन्होंने शिक्षा के साथ खेलों को भी समान रूप से महत्त्व देने की बात कही। इस अवसर पर विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता कहा कि छात्र-छात्राएँ इसी तरह से मेहतन व लगन से उच्च स्तर को प्राप्त करें। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी लड़कियों को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ब्रिगेडियर डॉ. सी.पी. जोशी द्वारा प्रतिवर्ष दी जाने वाली राशि 500/- रुपया नकद इस वर्ष बेस्ट एथलीट 12वीं विज्ञान वर्ग के छात्र बफिन वर्मा को दी गई।

## पुष्कर घाटी में मनाई वनशाला

सीनियर वर्ग की वनशाला स्काउट केम्प स्थल, पुष्कर घाटी, अजमेर गई। वनशाला में कक्षा 9 से 11 के 148 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वनशाला के दौरान विद्यार्थियों को साहित्य, इतिहास, कला व संस्कृति, भूगोल, विज्ञान व अर्थशास्त्र श्रेणियों में विभाजित किया गया। प्रातःकाल विद्यार्थियों ने ट्रेकिंग व योगाभ्यास किया। प्रार्थना सभा में स्थानीय व्यक्तियों द्वारा आस-पास के दर्शनीय स्थलों की जानकारी ली। विद्यार्थी श्रेणी अनुसार अजमेर व पुष्कर भ्रमण पर

वनशाला शिविर में श्रेणी कार्य

खेल–कूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते अतिथि एवँ जेवेलियन थ्रो करता विद्यार्थी

गए और सोनी की नसिया, अकबर का किला, ख्वाजा साहब की दरगाह, ढाई दिन का झोंपड़ा, बजरंगढ़ एवँ पुष्कर में पवित्र सरोवर, ब्रह्मा मंदिर तथा अन्य मंदिरों का अवलोकन किया। भ्रमण के पश्चात् श्रेणी कार्य में चार्ट्स बनाए गए जिनकी अंतिम दिन प्रदर्शनी लगाई गई। केम्प फायर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई तथा अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

मिडिल वर्ग की वनशाला रींछेड़ (कुम्भलगढ़) गई। इसमें कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया । विद्यार्थियों ने वहाँ के जन-जीवन, पर्यावरण, आर्थिक व सामाजिक, कला व संस्कृति से जुड़ी धरोहर का अवलोकन एवँ अध्ययन किया तथा स्थानीय निवासियों से साक्षात्कार कर चार्ट्स व लेख तैयार किए। तैयार की गई सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन केम्प फायर कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। वनशाला के दौरान विद्यार्थियों को सेवा मंदिर द्वारा संचालित सामाजिक कार्यो में बालकों व गाँवों के लोगों की नेतृत्व क्षमता का उदाहरण भी देखने को मिला। विद्यार्थियों ने परशुराम महादेव, रोकड़िया हनुमान मंदिर, लक्ष्मण झूला, कुम्भलगढ़, चारभुजा, आमज माता, गोमती व बनास नदी के उद्गम का भ्रमण किया।

## विद्यार्थी उत्साही बनें

विवेकानन्द केन्द्र की उदयपुर शाखा द्वारा दिनांक विवेकानन्द प्रश्नोत्तरी में 60 छात्रों ने भाग लेकर वरीयता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि विद्या भवन पॉलिटेक्निक में प्राध्यापक नितिन सनाढ्य ने कहा कि विद्यार्थियों को उत्साही बनना चाहिए और ऊर्जा से भरपूर होकर कार्य करना चाहिए।

## कविता पाठ में मीना सुथार प्रथम

कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रत्येक हाउस से 4 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान वाणिज्य वर्ग की मीना सुथार व द्वितीय स्थान इशिका राठौड़ व तृतीय स्थान कला वर्ग की गरिमा श्रीमाली ने प्राप्त किया। निर्णायक नारायण लाल आमेटा व मीनाक्षी कुमावत थीं। कक्षा 6 से 8 की कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम हिमांशु, द्वितीय जितेन्द्र परमार व दिव्या मीणा तथा तृतीय स्थान युवराज मईड़ा ने प्राप्त किया।

## क्विज़ में परपल हाउस प्रथम

कक्षा 9, 10 की हिन्दी क्विज़ प्रतियोगिताओं में परपल हाउस ने 145 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

## स्वपरिचय प्रतियोगिता

कक्षा-11 के विद्यार्थियों द्वारा अंग्रेजी में स्व-परिचय प्रतियोगिता हुई। प्रथम स्थान पर विज्ञान के छात्र विशाल विवेक सिंह रहे। द्वितीय स्थान पर वाणिज्य वर्ग के यशवंत सैनिक व विज्ञान वर्ग के हेमन्त चौबीसा एवँ तृतीय स्थान पर कला वर्ग से टीना व्यास व विज्ञान वर्ग से भवानी सिंह विजेता रहे।

## बाल विज्ञान कांग्रेस परिचर्चा

राजस्थान सरकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस परिचर्चा का आयोजन हुआ। स्थानीय विभागीय सभागार, विज्ञान

शेष पृष्ठ 16 पर...

# विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

### गांधी के सिद्धांतों का स्मरण किया

विद्यालय ने गांधीयन बी.एड. कॉलेज के साथ गांधी व शास्त्री जयन्ती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता, विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने की। मुख्य अतिथि रियाज़ तहसीन, उदय मेहता व एम.पी. शर्मा थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गांधीजी के जीवन पर लघुनाटिकाएँ प्रस्तुत की। इस मौके पर विद्यार्थियों ने श्रमदान भी किया।

अहिंसा की शपथ लेते विद्यार्थी

### डांडियों के साथ थिरके

नवरात्रि पर्व के चलते गरबा व डांडियाँ नृत्य का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने रंगीन व पारम्परिक वेशभूषा में डांडियों के साथ नृत्य किया। इस गुजराती नृत्य को नन्हे-मुन्नों से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने मंत्र मुग्ध हो आनन्द लिया तथा गुजराती संस्कृति में रंग गए।

### केरियर काउन्सलिंग वर्कशॉप

'द इंस्टीटयूट ऑफ कम्प्यूटर एज्यूकेशन' की ओर से केरियर काउंसलिंग वर्कशॉप रखी गई। वर्कशॉप के दौरान कक्षा ग्यारहवीं तथा बारहवीं के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा से संबंधित कार्य क्षेत्रों से अवगत कराया व रोजगारोन्मुखी कम्प्यूटर कोर्स हेतु अभिप्रेरित किया।

### रंगोली व कार्ड-मेकिंग प्रतियोगिता

प्राइमरी सेक्शन में रंगोली व कार्ड-मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई। प्रतियोगिता में कक्षा तीन से बारहवीं के विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों में सामंजस्य बिठाकर अपनी कला को रंगोली में प्रदर्शित किया।

### ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण

विद्यालय के 52 विद्यार्थियों ने आगरा, वृन्दावन, गोकुल, दौसा, जयपुर आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया। यहाँ पर इन्होंने कई ऐतिहासिक स्मारकों व मंदिरों का अवलोकन किया। जैसे- ताजमहल, लालकिला, पागल बाबा का मंदिर, एस्कॉन मंदिर, प्रेम मंदिर, बिड़ला मंदिर, मेहन्दीपुर बालाजी, आमेर का किला।

### वेस्ट से बेस्ट बनाना सीखा

सी.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वर्कशॉप में कक्षा छः से आठ तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने बेकार व अनुपयोगी सामान से कलात्मक व उपयोगी वस्तुएँ बनाना सीखा।

### पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता

प्राइमरी सेक्शन में पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता रखी गई। कक्षा तीसरी हेतु 'मेला' कक्षा चार हेतु 'जल बचाओ' तथा कक्षा पाँच हेतु 'पेड़ बचाओ' विषय दिया गया। प्रत्येक कक्षा को पाँच-पाँच विद्यार्थियों के समूह में बाँटा। प्रत्येक समूह ने अपनी क्षमता व समझ के अनुसार अपने विचारों को पोस्टर पर चित्रों के रूप में प्रदर्शित कर रंग भरे तथा स्लोगन भी लिखे।

रचनात्मक कार्य करते बच्चे

### शाला पंचायत का केम्प

शाला पंचायत का केम्प पालड़ी महादेव मंदिर गया। वहाँ पर सभी विद्यार्थियों को अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में बाँटा गया। सभी विद्यार्थियों ने अपने कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आगामी माह की रूपरेखा व कार्यक्रम तय करके उस पर चर्चा की।

### दिल्ली की छात्राओं ने किया अवलोकन

दिल्ली के श्रीराम कॉलेज की छात्राओं ने विद्यालय का अवलोकन किया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर अध्यापक द्वारा अपनाई जाने वाली विविध विधि व प्रविधि की जानकारी हासिल की। अपने अध्यापन संबंधी कार्य क्षमता को विकसित करने हेतु कई गुर सीखे।

### सांता बन सबको मोहा

प्राइमरी सेक्शन में क्रिसमस मनाया गया। विद्यार्थियों को यीशु मसीह की जानकारी दी गई। शिक्षिका सरिता भार्गव ने सांता क्लोज बन बच्चों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को टॉफी एवँ केक वितरित किया गया।

क्रिसमस पर्व पर सांता क्लोज के साथ विद्यार्थी

### ईसवाल में किया प्रायोगिक कार्य

बारहवीं आर्ट्स के विद्यार्थियों ने भूगोल विषय के अन्तर्गत विद्यालय से 10 किलोमीटर दूर ईसवाल में प्रायोगिक कार्य किया। विद्यार्थियों ने वहाँ के लोगों की आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति को जाना तथा वहाँ की मिट्टी, फसलों तथा सिंचाई के साधनों की जानकारी ली।

### खेल के मैदान का किया कायाकल्प

दो महीनों के अथक प्रयास से स्कूल के खेल मैदान का समतलीकरण किया गया। मैदान में कंटीली झाड़ियों तथा बड़े-बड़े पत्थरों को तोड़कर व साफ कर मैदान का विस्तार किया गया। विद्यार्थी सुबह प्रार्थना के बाद इस खेल मैदान में दौड़ लगाते हैं तथा समय-समय पर श्रमदान द्वारा मैदान को स्वच्छ रखने का कार्य करते हैं।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

# विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

### शैक्षिक भ्रमण का भरपूर आनन्द

विद्यालय के सीनियर विद्यार्थी चार दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर गुजरात गए। वहाँ उन्होंने लोथल में सिन्धु सभ्यता के प्राचीन बन्दरगाह, वहाँ की नगर नियोजन व्यवस्था, प्राचीन कुओं, ईंटों आदि का अवलोकन किया। केन्द्र शासित प्रदेश दीव में बच्चों ने दीव किला, 'नागोआ बीच' व नाइडा गुफाएँ देखी। सोमनाथ मंदिर की कलात्मकता एवं भव्यता से भी काफी अभिभूत हुए। उन्होंने मंदिर के पीछे की नैसर्गिक लहरों को निहारा। बाद में उन्होंने वैरावल में बलकातीर्थ का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने स्थानीय मछली पकड़ने के तरीकों को जाना साथ ही जहाज निर्माण कार्य देखा। गिरनार पर्वत की तलहटी में स्थित अशोक कालीन शिलालेख का अवलोकन किया।

### वार्षिकोत्सव में बजा स्कूल का डंका

विद्यालय का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने कई आकर्षक नृत्य व संगीत प्रस्तुतियाँ दीं। इनमें ट्राइबल डांस व मेक्डोनल डांस प्रमुख था। सीनियर विद्यार्थियों ने रीमिक्स गानों पर प्रस्तुतियाँ दी व 'स्वच्छ भारत' पर ड्रामा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वयँ वाद्य यंत्रों तथा मंच संचालन कार्य किया। वार्षिक उत्सव में विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रस्तुती देने का मौका मिला। मुख्य अतिथि डॉ. कय्युम अली बोहरा थे। अध्यक्षता विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने की।

वार्षिकोत्सव में संगीतमय प्रस्तुती

### सिविल प्रोजेक्ट में दिखाई प्रतिभा

आठवीं कक्षा के छात्रों ने बाल जनाग्रह संस्था की ओर से आयोजित 'सिविल प्रोजेक्ट' प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्रों ने शहर को साफ-सुन्दर एवँ शहर का भौतिक विकास कैसे कर सकते हैं, इससे सम्बंधित पर्यावरण को संरक्षित रखने वाली कविताएँ व नारे लिखे। एक नाटिका के माध्यम से उन्होंने सुन्दर शहर की भावी तस्वीर प्रस्तुत की। आठवीं कक्षा को पुरस्कृत किया गया।

भ्रमण के दौरान जहाज की बनावट का जायजा लेते और 'नागोआ बीच' पर आनन्द उठाते विद्यार्थी

### स्काउट एण्ड गाइड मेला

रेजीडेन्सी स्कूल में आयोजित स्काउट एण्ड गाइड मेले में शाला के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किया और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने मेले में खाने की स्टॉल भी लगाई जिनमें भेल एवँ पकौड़ी आदि व्यंजन शामिल थे।

### कैंसर से बचाव के बारे में जाना

कैंसर एण्ड एड्स सोसायटी की ओर से विद्यालय सभागार में बच्चों को उनके दैनिक जीवन में खान-पान व रहन-सहन सही न रखने से होने वाली गम्भीर बीमारियों के बारे में बताया। इनमें गले व पेट का कैंसर पर चर्चा शामिल थी। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए बताया कि भोजन में तैलीय वस्तुओं का उपयोग कैसे करें। विशेषज्ञों ने मौसमी फलों का आहार लेने पर जोर दिया।

### विट्टी व सीपीएस को चटाई धूल

सी.बी.एस.ई. व साई (स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में विद्यालय की क्रिकेट टीम ने पहले मैच में विट्टी इंटरनेशनल स्कूल को 47 रन से हराया। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद आवेश ने 42 रन बनाए व 3 विकेट लिए। दूसरे मैच में विद्यालय की टीम ने सीपीएस को 20 रन से पराजित किया। मैन ऑफ द मैच कक्षा 9 के असद हसन ने नाबाद 64 रन बनाए व एक विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

### रेड हाउस आया अव्वल

विद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में रिले रेस, स्लो साइक्लिंग आदि प्रतियोगिताएँ हुईं। जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने सुई-धागा रेस, सेक रेस, फ्रॉग रेस, गो ग्रीन खेल का भरपूर आनन्द लिया। प्रतियोगिताओं में रेड हाउस प्रथम रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका किरण श्रीमाली, छात्रा रागिनी लौहार व छात्र हर्षित शर्मा ने किया।

### मानव शरीर के अंगों को जाना

जूनियर वर्ग के विद्यार्थी राजीव गांधी पार्क, हैल्थ वंडरलैण्ड व सहेलियों की बाड़ी भ्रमण पर गए। राजीव गांधी पार्क में उन्होंने अठखेलियाँ की व झूलों का आनन्द लिया। वही हेल्थ वंडरलैण्ड में मानव शरीर के अंगों के बारे में जाना। हेल्थ वंडरलैण्ड में विद्यार्थियों ने रेलगाड़ी की सवारी की। सहेलियों की बाड़ी स्थित विज्ञान केन्द्र में विभिन्न खनिजों व मानव कंकाल का अवलोकन किया व जिज्ञासुवश कई प्रश्न भी पूछे।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

# विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

### औद्योगिक भ्रमण

रसायन विज्ञान विभाग के 35 विद्यार्थियों का समूह औद्योगिक भ्रमण के लिए पेस्टीसाइड इंडिया लिमिटेड गया। वहाँ उन्हें अनुसंधान व औद्योगिक क्षेत्र में काम आने वाले उपकरणों की जानकारी दी गई।

औद्योगिक भ्रमण पर विद्यार्थियों का दल

### मोटीवेशनल व्याख्यान

टाइटेनियम ग्रुप के निदेशक मुकेश जानवा ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मोटीवेशनल व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अंग्रेजी की उपयोगिता और ज़रूरत के बारे में बताया। इस मौके पर महाविद्यालय के करीब 165 विद्यार्थियों ने अपनी केरियर संबधी जिज्ञासाओं का निवारण किया।

### केरियर की तैयारी

महाविद्यालय की प्लेसमेंट एण्ड ओल्ड बॉयज एसोसिएशन द्वारा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ता डॉ. एम.के. जैन ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के विद्यार्थी किन-किन क्षेत्रों में जा सकते हैं, उनकी तैयारी कैसे व कहाँ की जा सकती है इसकी जानकारी दी। प्लेसमेंट कमेटी एवँ एसबीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में विद्यार्थियों को बैंकिंग एवँ एल.आइ.सी. में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी तथा शैक्षणिक योग्यता के अनुसार विभिन्न जॉब के बारे में अवगत कराया।

### तुरंत पहुंचेगी मदद

सेवा मंदिर चाइल्ड हेल्प लाइन की समन्वयक विमला चौहान ने विद्यार्थियों को चाइल्ड हेल्प लाइन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर होने वाले क्राइम, मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना के दौरान सहायता हेतु हेल्प लाईन नम्बर पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फोन किए जाने पर तुरन्त हेल्प लाइन उनकी मदद पर पहुँचेगी व आवश्यक कार्यवाही कर बच्चे की मदद करेगी।

### पुस्तक का प्रकाशन

समाजशास्त्र विभाग की डॉ. कंचन पानेरी की पुस्तक 'ग्रामीण महिलाओं का व्यवसाय एवं स्वास्थ्य' का प्रकाशन हुआ। पुस्तक का प्रकाशन दिल्ली के क्लासिकल पब्लिकेशन ने किया। पुस्तक में ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य एवँ व्यवसायों के आपसी संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही ग्रामीण महिलाओं के व्यवसाय व स्वास्थ्य के संबंधों पर भी पुस्तक महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।

डॉ. रक्षा गोदावत की पुस्तक 'डॉ. दिनेश पालीवाल के कथा साहित्य में सामाजिक और राजनैतिक चेतना' का प्रकाशन हुआ। डॉ. गोदावत महाविद्यालय के हिंदी विभाग में कार्यरत हैं। पुस्तक का प्रकाशन आगरा के निखिल पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने किया। पुस्तक की कॉपी दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में रखी गई। पुस्तक पर मेले में आए कई समीक्षकों ने टिप्पणियाँ भी की। पुस्तक में दिनेश पालीवाल की 300 कहानियों और 9 उपन्यासों का गहन अध्ययन कर लेखक की सामाजिक और राजनैतिक चेतना का विवेचन किया है।

इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. समीर व्यास की दो पुस्तकें 'प्राचीन भारत का इतिहास' तथा 'राजस्थान के इतिहास की रूपरेखा' प्रकाशित हुई। उन्होंने ये पुस्तकें मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिग्विजयसिंह के साथ मिल कर लिखी हैं। ये पुस्तकें महाविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार हैं। इसी प्रकार जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम कौशिक के साथ मिल कर उन्होंने 'वागड़ की महिला स्वतंत्रता सेनानी' विषयक एक मोनोग्राफ भी प्रकाशित किया है।

डॉ. सबा खान एवं डॉ. नासिर हुसैन की पुस्तक 'रिएक्शन एंड रिजेंट' हिमांशु पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई जो कि एम.एससी. तथा नेट दे रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगी।

### डॉ. समीर शोध पर्यवेक्षक नियुक्त

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. समीर व्यास को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ द्वारा शोध पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया।

### इग्नू की परीक्षाएँ सम्पन्न

इदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रम की परीक्षाएँ 1 दिसम्बर से 31 दिसम्बर के मध्य में सम्पन्न हुई।

### पोस्टर बनाए

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आईटी एवँ कंप्यूटर से संबंधित पोस्टर बनाए। महाविद्यालय के कंप्यूटर विभाग के विद्यार्थी राज्य स्तरीय सी-प्रोग्रामिंग क्विज़ के लिए ऐश्वर्या कॉलेज गए।

कम्प्यूटर विभाग के विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय सी-प्रोग्रामिंग क्विज़ के लिए ऐश्वर्या कॉलेज भेजा गया। महाविद्यालय के छात्र हिमांशु पण्ड्या एवँ नेहा जोशी को कंप्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया ने पुरस्कृत किया।

एरिना मल्टीमिडीया के डॉयरेक्टर रोबिन खेतान ने एनिमेशन टूल्स एंड टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान दिया।

भूगोल विभाग द्वारा भूगोल सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान सामान्य ज्ञान, भौगोलिक शब्द शक्ति स्मरण,

शेष पृष्ठ 7 पर...

# विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

### ऑटोमेशन कार्यशाला

महाविद्यालय में तीन दिवसीय इण्डस्ट्रीयल नेटवर्किंग और ऑटोमेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ विजय मालवीया ने विद्यार्थियों को नेटवर्किंग एवँ ऑटोमेशन की जानकारी दी। कार्यशाला के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने केबल बनाना, स्काडा ऑटोमेशन की जानकारी, मित्र कम्प्यूटर को आपस में जोड़ना, डाटा शेयरिंग गतिविधियों में भाग लिया। विद्यार्थियों ने कहा कि नियमित कक्षाएँ प्रयोगशाला में कार्य एवँ समय प्रबंधन के कारण उनकी क्षमता एवँ दक्षता में वृद्धि हुई है।

कार्यशाला के दौरान उपस्थित संभागी

### वेस्ट वाटर उपयोग पर कार्यशाला

गन्दे पानी (वेस्ट वाटर) के सुरक्षित उपयोग पर चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का आयोजन विद्या भवन, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, वोलकेम इण्डिया लिमिटेड, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, सी.एस.आई. आर.ओ., आस्ट्रेलिया द्वारा क्रोफर्ड फण्ड के सहयोग से किया गया। मेयर चन्द्र सिंह कोठारी, एम.पी.यू.ए.टी. के कुलपति डॉ परमेन्द्र दशोरा, विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता, उद्योगपति अरविंद सिंघल, सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली के अमनदीप सिंह, आर.पी.एस.सी. के पूर्व अध्यक्ष जी.एस.टांक सी.पी.आर. की किम्बरली नोरहना, इन्स्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर ऋषिशंकर, वेस्टर्न सिडनी युनिवर्सिटी के डा. बसन्त माहेश्वरी, सी.एस.आई.आर. ओ. ऑस्ट्रेलिया के डॉ. राय कूकणा, प्रसिद्ध भू-जल वैज्ञानिक क्रिस डेरी, फ्लिन्डर यूनिवर्सिटी के डा. पीटर डिलन सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहे। इसमें विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

### विकास में हो विद्यार्थियों की भूमिका

मेलजोल व तालमेल से ही एक समरस, स्वस्थ, विकसित समाज, देश व विश्व का निर्माण होता है। ये विचार विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत हेतु फ्रेशर डे में व्यक्त किए। मेहता ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक विकास में तकनीकी विद्यार्थियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

मेले के विशिष्ठ अतिथि संजीवनी अनाथ आश्रम के 20 बच्चे थे। समारोह में संस्था के कार्यकर्ताओं एवँ विद्यार्थियों द्वारा विविध प्रकार के खाद्य सामग्री व खेल के स्टॉल लगाए गए एवँ डिप्लोमा इंजीनियरिंग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं।

मेले में स्टॉल का लुफ्त उठाते हुए

### स्वच्छता मुहिम

हमारा शहर स्मार्ट तब बनेगा, जब हम सब स्मार्ट होंगे। इसी सोच और राजस्थान पत्रिका के "जलाए एक दीया स्वच्छता के नाम" अभियान से जुड़कर महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी राधाकिशन मेनारिया की अगुवाई में सफाई की गई। विद्यार्थियों एवँ शिक्षकों ने कचरा, खरपतवार व अन्य गंदगी को हटाया। साथ ही सर्वत्र स्वच्छता बहाली के लिए प्रयास करने, नशा मुक्ति, पॉलिथीन से परहेज आदि का संकल्प किया। इसके बाद स्वच्छता का दीप जलाया गया।

### अभिभावक-शिक्षक बैठक

अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत करवाने हेतु इस बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में 200 अभिभावक उपस्थित हुए।

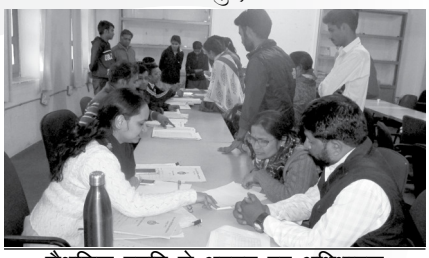

शैक्षणिक प्रगति से अवगत हुए अभिभावक

### लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवॉर्ड

संभाग के प्रथम स्वतंत्र आर्किटेक्ट बी.एल. मंत्री को इन्स्टीट्यूशन ऑफ वेल्यूअर्स के 46 वें कन्वेन्शन में "लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया। उत्तरप्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री अरविन्द कुमार सिंह एवं इन्स्टीट्यूशन ऑफ वेल्यूअर्स के अध्यक्ष पी.के. त्यागराजन ने बी.एल. मंत्री को यह सम्मान प्रदान किया। वे विद्या भवन सोसायटी के एक्जीक्यूटिव मेम्बर तथा पॉलिटेक्निक के पहले बैच (1959) से उत्तीर्ण हुए थे।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

...पृष्ठ 6 का शेष

मानचित्रीकरण, मॉडल एवँ चार्ट प्रतियोगिता कराई गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

### राष्ट्रीय सेवा योजना केम्प

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मनोहरपुरा में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान स्वयँ सेवकों ने गाँव का सर्वे किया, जुलूस निकाला साथ ही स्कूल व चौराहों पर जागरूकता संबंधी नारे लिखवाए। प्रतिदिन एक विशेषज्ञ का व्याख्यान रखा गया। स्वयँ सेवकों ने निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। वे डॉ. सरस्वती जोशी एवँ डॉ. समीर व्यास के निर्देशन में राजीव गांधी पार्क व शिल्पग्राम भ्रमण पर गए।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

## विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

### पक्षियों का आशियाना पेड़-पौधे

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगिरि के 120 विद्यार्थियों ने प्रकृति भ्रमण में भाग लिया। यह भ्रमण विद्यालय के प्राचार्य ई.एच. काज़ी के नेतृत्व में हुआ। प्रकृति प्रेमी विनय दवे ने पेड़-पौधों पर पाए जाने वाले विभिन्न पक्षियों को पहचानने के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि पक्षियों के रहने तथा उनके स्वभाव के बारे में रोचक जानकारी जंगल से ही मिलती है। उन्होंने कहा कि वास्तव में पेड़-पौधे ही पक्षियों का आशियाना है। विद्या भवन संदर्भ केन्द्र की संगीता दवे ने कविताओं के माध्यम से अभिव्यक्ति कर पेड़ की संरचना, घौंसले, अंडे तथा पक्षियों के रहने के बारे में बताते हुये स्वच्छता तथा प्रदूषण मुक्त तरीकों से अवगत कराया।

विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगिरि के विद्यार्थी प्रकृति साधना केन्द्र पर

### वनस्पतियों का अध्ययन

विद्या भवन रुरल इन्स्टीट्यूट के तृतीय वर्ष वनस्पति शास्त्र के विद्यार्थी प्रकृति साधना केन्द्र गए। वहाँ उन्होंने प्राध्यापक डॉ. अनीता जैन व सुषमा जैन के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार की पारिस्थितिकी का पाठ्यक्रम पर आधारित अभ्यास कार्य किए। विद्यार्थियों ने कक्षा में सैद्धान्तिक विषयों को पढ़कर प्रकृति में पाये जाने वाली वनस्पति की स्थिति, संख्या तथा रचना का अध्ययन किया। उन्होंने यहाँ विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों को एकत्रित किया जिन्हें वे प्रोजेक्ट कार्य के तहत महाविद्यालय में प्रस्तुत करेंगे। विद्यार्थियों ने केन्द्र पर विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों के औषधीय उपयोग के बारे में भी जाना।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

## विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

### पुनश्चर्या प्रशिक्षण

आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर 7 पुनश्चर्या प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उनमें 5 कार्यकर्त्ता पुनश्चर्या तथा 2 सहायिका पुनश्चर्या प्रशिक्षण में चित्तौड़ व प्रतापगढ़ जिले की 150 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों ने क्षेत्र में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। इनमें केन्द्र पर बच्चों की कम उपस्थिति, ग्रोथ चार्ट, केशबुक, शालापूर्व शिक्षा संबंधित गतिविधियाँ शामिल थीं। इन समस्याग्रस्त विषयों पर विशेष जोर देते हुए उन्हें अभ्यास करवाया गया ताकि वे अपने केन्द्र पर जाकर सुचारू रूप से कार्य कर सकें।

शालापूर्व शिक्षा से संबंधित नवीन कविताएँ, खेल, कहानियों का संग्रह देकर रोल प्ले द्वारा अभ्यास करवाया गया साथ ही उन्हें कुछ शब्द देकर उनसे कहानी, कविता, नारे बनाने का अभ्यास करवाया। प्रशिक्षणार्थियों ने परिसर में श्रमदान भी किया।

पुनश्चर्या प्रशिक्षण में रचनात्मक कार्य करते हुए संभागी

### ममता की छाँव

प्रशिक्षण में सभी ने अपने अनुभव भी बाँटें। राश्मी की मन्जू शर्मा ने परिवार से तिरस्कृत बुजुर्ग को सहारा दिया। उदयपुर के 'उदा बा रेबारी' को उन्होंने सहारा दिया उनका कोई पहचान-पत्र भी नहीं था, अपने घर में मानवता के नाते पनाह दी। उदा बा ने भी इस परिवार में अपनी पहचान घर के बड़े बुजुर्ग की तरह दी। परिवार में किसी को भी खरोंच आने पर वे सिहर उठते हैं। प्रशिक्षण में उदा बा भी मिलने आए। उन्होंने कहा कि जहाँ बच्चे अपने माता-पिता को नहीं रख सकते, वहाँ पराए को रखना एक मिसाल है।

रिपोर्टर : नरेश राव

# विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

## डॉ. कलाम का जन्म दिन

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस पर विचारगोष्ठी, पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन हुआ तथा डॉ. कलाम की तस्वीर का अनावरण किया गया। मुख्य अतिथि मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. सुरेश चन्द्र आमेटा ने कलाम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रेरणादायक प्रसंगों को सुनाया और विद्यार्थियों को सदैव सीखने के लिए तत्पर रहने का संदेश दिया। उन्होंने हमेशा सकारात्मक सोच रखना, बहुत लंबी योजनाएँ नहीं बनाकर छोटे-छोटे कदम उठाना, सतही ज्ञान पर भरोसा नहीं करना, कुतर्क नहीं करना और बाज का उदाहरण देते हुए हमेशा ऊपर उठने की प्रेरणा दी।

प्रदर्शनी अवलोकन करते अतिथि

## रक्तदान स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रसार विभाग की ओर से रक्तदान विषय पर प्रसार वार्ता रखी गई। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के ट्रांसफ्यूजन मेडिसन से डॉ. भागचन्द्र ने स्वास्थ्य संबंधी गुर बताए और छात्राध्यापकों की शंकाओं का समाधान किया। इस मौके पर आयोजित रक्तदान शिविर में प्राध्यापक डॉ. अरविन्द आशिया, खीमाराम काक सहित 15 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया।

## इको फ्रेन्डली दिवाली पर पोस्टर

महाविद्यालय में 'इको फ्रेन्डली दिवाली' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने समूह में कार्य करते हुए इको फ्रेन्डली दिवाली मनाने के बिन्दुओं की सूची तैयार की और फिर उसे चार्ट पर प्रस्तुत किया। इसमें विद्यार्थियों की सृजनात्मकता भी निखर कर सामने आई। चार्ट की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों ने इको फ्रेन्डली दिवाली मनाने के साथ एक-एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया।

पोस्टर के साथ विद्यार्थी

## तैयारी और मेहनत के साथ पढ़ाएँ

बी.एड. और एम.एड. विद्यार्थियों का स्नेहमिलन समारोह बेसिक स्कूल में मनाया गया। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि विद्यार्थियों ने दुनिया का सबसे नोबल पेशा चुना है। हमारे देश में शिक्षा के हालात बहुत खराब है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि जब वे स्कूल में अध्यापक बन कर जाएँ तो पूरी तैयारी और मेहनत के साथ बच्चों को पढ़ाएँ। कार्यक्रम में खेल-कूद हुए एवँ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।

## स्व-विश्लेषण करने की आवश्यकता

सेवा प्रसार विभाग एवँ सिक्योर मीटर्स के संयुक्त तत्वावधान में व्यक्तित्व उन्नयन कार्यशाला पर प्रतिपुष्टि बैठक हुई। प्रो. अशोक चक्रनारायण ने शिक्षकों हेतु स्वाभिमान एवँ उसके बढ़ाने पर जोर दिया। ब्रिटेन से आई प्रो. अनिटा ने वर्तमान में शिक्षकों को स्व विश्लेषण पर ध्यान देने, स्वयँ के उन्नयन हेतु प्रयासरत रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

## अन्तर्निहित पूर्णता ही शिक्षा

रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के सचिव स्वामी शांतात्मानन्द ने भावी अध्यापकों का आह्वान किया कि शिक्षकों को भी जीवन में बहुत कुछ करना है, उन्हें एक विषय पढ़ाने तक ही सीमित नहीं रहना है। उन्होंने शिक्षकों को फार्मूला दिया कि जब वे प्रत्येक दिन उत्साह, उर्जा और अच्छी सोच और विचार लेकर स्कूल जाएंगे तभी वे अच्छे शिक्षक बन सकते हैं और उनका जीवन भी उत्साह के साथ बितेगा। वे यहाँ विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में सेवा प्रसार विभाग के सौजन्य से आयोजित 'विवेकानन्द एवं शिक्षा' विषयक प्रसार वार्ता में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक प्रत्येक छात्र के बारे में अच्छा सोचें। विद्यार्थियों के प्रति नकारात्मक धारणा को हटाएँ।

## अंतर्महाविद्यालय वॉलीबॉल

संस्था की मेजबानी में खेली गई अंतर्महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग) का फाइनल मुकाबला बीएन सीपीई ने आर्ट्स कॉलेज को 3-0 से हराकर जीत लिया। कपिल सहारण को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयनित किया गया। समापन एवँ पारितोषिक समारोह के मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय सिंह मेहता थे।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

बी.एन.सी.पी.ई. और आर्ट्स कॉलेज के बीच खेला गया फाईनल मुकाबला

# मानव संसाधन एवँ विधि विभाग

### योजनाओं की क्रियान्विति हो

विद्या भवन के तीनों विद्यालयों में आपसी समझ को सुदृढ़ बनाने एवँ साधन-सुविधाओं के आदान-प्रदान को कैसे प्रभावी बनाया जाए, इस विषय पर विद्या भवन के केन्द्रिय कार्यालय में बैठक रखी गई। बैठक की अध्यक्षता विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने की। उन्होंने कहा कि पिछली बैठक की योजना पर अब क्रियान्विति की जानी चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री जैसे शिक्षाविद् एवँ भाषाविद् हैं। हेमराज भाटी जिनका कि गाँवों में परिचय है, उन गाँवों में हम विद्या भवन के स्कूल के कार्यक्रम रख सकते हैं। साथ ही विद्या भवन के तीनों स्कूलों का ब्रॉशर तैयार कर सकते हैं।

बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि बेसिक स्कूल के विद्यार्थी गांधीजी के विचार को अपना पाएं, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। सीनियर सैकण्डरी स्कूल के बच्चों के लिए भी गांधी के विचारों के लिए कुछ न कुछ ओरिएण्टेशन होना चाहिए। हमें हिन्दी भाषा के प्रभाव को खतम नहीं करना चाहिए। तीनों स्कूलों को अपनी-अपनी विशेषताओं को कायम रखना चाहिए। विद्या भवन के कामों उसके द्वारा किए जा रहे प्रयासों का म्यूज़ियम भी बनाया जाना चाहिए। तीनों विद्यालयों के लिए ऐसे खेल शुरू किए जाएं, जिसमें अधिकांश विद्यार्थी भाग ले सकें।

### शोध को बढ़ावा मिले

विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने इस बात पर बल दिया कि प्रकृति साधना केन्द्र को और भी आकर्षक एवँ प्राकृतिक बनाने की आवश्यकता है जिससे कि केन्द्र प्रकृति प्रेमी, शोधकर्ता इत्यादि के लिए उपयोगी हो सके। वे प्रकृति साधना केन्द्र को बेहतर बनाने के लिए बनी कमेटी को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रकृति साधना केन्द्र का विकास, प्रकृति प्रेमियों को अधिक सुविधा मुहैया कराना, केन्द्र की महत्ता तथा इससे संबंधित ज्ञान को विद्यार्थियों एवँ लोगों तक पहुँचाने हेतु अवसर मुहैया कराने, केन्द्र को स्वपोषित बनाने संबंधी निर्णय लिए गए। अध्यक्ष ने केन्द्र समन्वयक आर. एल. श्रीमाल के प्रयासों की सराहना की तथा अन्य विभागाध्यक्षों से सहयोग की अपील की। बैठक में डॉ. आर.एल. श्रीमाल, चुन्नी लाल शर्मा, लालू राम डांगी, डॉ. अनीता जैन, प्रकाश सुन्दरम एवँ पी.सी. भटनागर ने सुझाव दिए। कुमुद पुरोहित ने केन्द्र को विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं के लिए खुला रखने का सुझाव दिया। इस मौके पर चार उपसमितियाँ भी बनाई गई जिनमें शोध एवँ प्रायोजना समिति, सम्प्रेषण समिति, रखरखाव समिति और विद्यार्थी इन्टरफेस समिति शामिल हैं।

### आचरण में रखना होगा ध्यान

विद्या भवन समान अवसर समिति की बैठक में विद्या भवन के कर्मचारियों के बीच जातिगत, धर्म, लिंग आधारित भेदभाव को मिटाने तथा शिक्षण संस्थाओं में छात्रों में भेदभाव को दूर करने के उपायों पर चर्चा हुई। चर्चा में सहमति बनी कि प्रत्येक कर्मचारी को अपने व्यवहार और आचरण में ध्यान रखना होगा कि उनका आचरण भेदभाव रहित, संवेदनशील एवँ सहिष्णुतापूर्ण हो।

### कंपोसिट यूनिट पर चर्चा

विद्या भवन सोसायटी तथा विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यों के साथ एनसीटीई 2014 के नियमानुसार कंपोसिट यूनिट के लिये भौतिक एवँ मानव संसाधन की आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही को शीघ्रता से पूर्ण करने का निर्णय लिया गया।

### संस्थाओं की प्रगति पर चर्चा

विद्या भवन सोसायटी की साधारण सभा की बैठक विद्या भवन अध्यक्ष अजय एस. मेहता की अध्यक्षता में हुई। सदस्यों को विद्या भवन शिक्षण संस्थाओं की प्रगति बताई। विद्या भवन की वार्षिक आय एवँ खर्च की विवरण रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई और सर्वसम्मति से वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में सिद्धार्थ आई.ए.एस को बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल में सदस्य बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

### संविदा अध्यापकों की भर्ती

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की प्राचार्या ने नर्सरी विभाग तथा उर्दू विषय पढ़ाने हेतु ममता मेहता एवँ सिद्धिका का साक्षात्कार किया और उनकी संविदा अध्यापक के रूप में नियुक्ति हेतु अनुशंसा की। सोसायटी अध्यक्ष ने अनुशंसा को स्वीकारते हुए अध्यापकों की नियुक्ति पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

### विद्यार्थी कल्याण पर मंथन

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता एवं संस्था प्रमुखों की उपस्थिति में आयाजित बैठक में आर्थिक शिक्षण व विद्यार्थी कल्याण सम्बन्धी चुनौतियों पर मंथन हुआ। बैठक में निर्णय लिया गया कि अति आवश्यक सुविधाओं के अभाव को कम करने के लिये उपलब्ध साधनों एवँ बजट के अनुसार कार्यवाही की जाए।

### व्याख्याताओं की नियमित नियुक्ति

अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने विद्या भवन कर्मचारी चयन समिति द्वारा चयनित विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज के 6 व्याख्याताओं को नियमित रूप से नियुक्ति देने के आदेश दिए। इनमें विक्रम सिंह कुमावत, गिरीश वैष्णव, किशनसिंह देवड़ा, रेणुका यादव, भारती जोशी तथा निलेश कुमार सोलंकी शामिल हैं। इसी प्रकार, महाविद्यालय के सीडीपीटी कर्मचारी मधु बोर्दिया को जूनियर स्टेटिस्टीकल कंसलटेंट तथा पुष्कर डांगी को ड्राईवर के पद पर विद्या भवन सेवा नियमों के तहत समावेश किया गया।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

# विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

### छात्र परिषद् का गठन

महाविद्यालय में परिषद्वार चुनाव कराए गए जिसमें महाविद्यालय विद्यार्थियों ने प्रकृति, स्वशासन, समुदाय व जीविकोपार्जन परिषद् के लिए अध्यक्ष, सचिव व प्रतिनिधि का चयन किया। प्रकृति परिषद् के अध्यक्ष लक्ष्यपाल सिंह चौहान, सचिव विक्रम मकराणा, प्रतिनिधि राजू राव, स्वशासन परिषद् के अध्यक्ष कमलेश खोईवाल, सचिव रितु देवड़ा, प्रतिनिधि दिव्या आहाड़ा, समुदाय परिषद के अध्यक्ष प्रतीक्षा जैन, सचिव लक्ष्मण मेघवाल, प्रतिनिधि शालिनी भाटी तथा जीविकोपार्जन परिषद के अध्यक्ष जया कुँवर देवड़ा, रितुरानी पुरोहित तथा प्रतिनिधि जयन्तीलाल मेघवाल बने।

### सेमिनार में सहभागिता

सुषमा इण्टोदिया ने राजर्षि टण्डन महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र वाचन किया। यूजीसी द्वारा आयोजित संगोष्ठी का विषय "समसामयिक संदर्भों में कबीर के विचारों की प्रासंगिकता" था।

### सामाजिक सौहार्द पर वार्ता

महाविद्यालय के गांधी शान्ति प्रतिष्ठान केन्द्र की ओर से ब्रह्मकुमारी के उदयपुर केन्द्र के तत्वावधान में वार्ता हुई। केन्द्र की मुख्य संचालिका सिस्टर रीता ने विद्यार्थियों से शैक्षिक मूल्यों, आध्यात्मिकता, विश्व बंधुत्व, आत्मा के सात गुणों और स्व चेतना के बारे में चर्चा की।

### योग शिविर आरोग्यम

उदयपुर प्रभाग के पतन्जलि योग समिति के अध्यक्ष मुकेश पाठक के निर्देशन में महाविद्यालय में योग शिविर-आरोग्यम का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों ने प्राणायाम, योग व आसन का अभ्यास किया।

### स्नेह मिलन एवँ प्रतिभा खोज

महाविद्यालय के स्नेह मिलन एवँ प्रतिभा खोज कार्यक्रम में विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने विद्यार्थियों को विद्या भवन के उद्देश्यों, विकास यात्रा तथा चुनौतियों के बारे में बताया। प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा ने विद्यार्थियों को स्नेह मिलन समारोह के उद्देश्य से अवगत कराया। प्रो. दिव्या प्रभा नागर व प्रो. एम. पी. शर्मा ने विद्यार्थियों से अपनी ऊर्जाओं को समाज एवँ राष्ट्र निर्माण में प्रयोग कर उत्पादक सदस्य बनने का आग्रह किया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर मनोरंजक खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनन्द लिया ।

### शिक्षा में कम्प्यूटर के उपयोग

गुगल के सोफ्टवियर इंजीनियर, गुगल यूके ने विद्यार्थियों को शिक्षा में कम्प्यूटर के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य की नौकरियों हेतु समाधान की अपेक्षा समस्या समाधान प्रक्रिया पर केन्द्रित होने का आग्रह किया।

### ड्रामा एवँ कला कार्यशाला

महाविद्यालय में सी.सी.आर.टी. के सहयोग से शिक्षा में "ड्रामा व कला" कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने महेश नायक से मुकाभिनय, ईरम सबा से रंगोली निर्माण व सीमा कंठालिया से मैरक्म के उत्पाद निर्मित करने संबधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। ये विद्यार्थी इन कौशलों का प्रयोग इन्टर्नशिप के दौरान विद्यालयों में करेंगे।

### विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम

शिक्षण पूर्व विद्यालय, कक्षा और विद्यार्थियों की समझ निर्मित करने के उद्देश्य से विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम हुआ। महाविद्यालय के छात्राध्यापक देवाली, बड़गाँव, चिकलवास, कविता, लोयरा व मदार के सरकारी उच्च प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में विद्यालय अवलोकन के लिए गए।

### अरूणा ने किया पत्र वाचन

महाविद्यालय की प्राध्यापिका अरुणा माथुर ने सातवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र वाचन किया। उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ऐश्वर्या शिक्षा संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने 'इमरजींग ट्रेन्ड इन इण्डस्ट्रीज, एज्यूकेशन एण्ड मोर्डन सोसायटी' विषय पर पत्र पढ़ा।

### राज्य स्तरीय कार्यशाला में शिरकत

महाविद्यालय के यतीन कुमार चौबीसा व कुमुद पुरोहित ने ऐश्वर्या शिक्षा संस्थान महाविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षा में कला व ड्रामा "राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला के संदर्भ व्यक्ति प्रख्यात चित्रकार शैल चोयल, विलास जानवे व कयूम अली बोहरा थे। उन्होंने प्रतिभागियों को दृश्य कला, थियेटर व संगीत को कक्षाओं में संसाधन की तरह उपयोग करने संबधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

अहिंसा दिवस पर भजन प्रस्तुत करते हुए

### नृत्य में शालिनी प्रथम

महाविद्यालय में एकल नृत्य प्रतियोगिता में शालिनी चक्रवर्ती, संजु सुथार, एवँ जया देवड़ा व आशा गोस्वामी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहें ।

### हेरिटेज व कम्युनिटी वॉक

महाविद्यालय के प्रतिष्ठान केन्द्र व सेवा मंदिर के साझे प्रयासों के अर्न्तगत छात्राध्यापकों ने देलवाड़ा, ऊषाण व हल्दीघाटी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सेवा मंदिर के साधना केन्द्र व प्राचीन जैन व हिन्दु मंदिरों व परपरांगत बावड़ियों, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों का अवलोकन कर स्थानीय, समुदाय सशक्तीकरण व वन जल संरक्षण गतिविधियों को समझा ।

### डाईट व एसआईईआरटी का अवलोकन

महाविद्यालय के छात्राध्यापकों ने डाईट व एस.आई.ई.आर.टी. के विभिन्न प्रभागों व पुस्तकालय का अवलोकन किया। संस्थान की निदेशक वनिता बोहरा व डाईट प्राचार्य अनुराधा सक्सेना ने छात्राध्यापकों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित गतिविधियों से अवगत कराया।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

# विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

### नवीन पैटर्न पर हुआ प्रथम परख

नवीन पाठ्यक्रमानुसार बी.एस.टी.सी. के प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का प्रथम परख किया गया। सभी विषयों के प्रश्न पत्र नवीन पैटर्न के अनुसार थे। सी.सी.ई. के आधार पर कक्षाकक्ष में बातचीत आधारित व विभिन्न गतिविधियों, व्यावहारिक ज्ञान आधारित बहुविकल्पी, लघूत्तरात्मक, अतिलघूत्तरात्मक व निबंधात्मक प्रश्नों को सम्मिलित किया गया। प्रत्येक विषय के पाठ्यक्रम का 50 प्रतिशत भाग सम्मिलित किया गया। छात्राध्यापकों की उपस्थिति शत्-प्रतिशत रही।

### सैद्धांतिक कक्षाएँ चलीं

बी.एस.टी.सी. के प्रथम व द्वितीय वर्ष की सैद्धांतिक कक्षाएँ चलीं। व्याख्याताओं ने प्रथम परख सम्बन्धी पाठ्यक्रम पूर्ण किया। आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को भी ध्यान में रखते हुए बी.एस.टी.सी. के पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयवस्तु की तैयारी करवाई। विषयाध्यापकों ने चर्चा, समूह कार्य प्रस्तुतीकरण, प्रोजेक्ट, रिफ्लेक्टिव व जर्नल आदि से शिक्षण को रुचिकर बनाया।

### टी.एल.एम. कार्यशाला एवँ प्रदर्शनी

शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण कार्यशाला (टी.एल.एम.) का उद्घाटन करते हुए संस्थान की प्राचार्या डॉ. भगवती अहीर ने टी.एल.एम. का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगामी विद्यालय अनुभव कार्यक्रम में इसकी उपयोगिता को स्पष्ट किया। तीन दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थी शिक्षकों ने हाऊसानुसार चार्ट, मॉडल्स व गतिविधि प्रपत्रों का निर्माण किया तथा विद्यार्थी शिक्षकों ने सहभागिता से कार्य करना सीखा। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यशाला का संचालन डॉ. प्रियंका चौधरी ने तथा धन्यवाद हेमन्त त्रिवेदी ने दिया। इस मौके पर विद्यार्थी शिक्षक विद्यालय स्टाफ के साथ एस.आई.ई.आर.टी. गए जहाँ उन्होंने विज्ञान केन्द्र का अवलोकन किया तथा विभिन्न क्रियात्मक मॉडल्स को समझा।

### इग्नू पाठ्यक्रम की बैठक

बी.एस.टी.सी. के छात्राध्यापकों के लिए "इग्नू पाठ्यक्रम अभिनवन" कार्यक्रम में प्रोफेसर सुषमा तलेसरा ने बी.एससी., बी.ए. और विभिन्न डिप्लोमा कोर्स के पाठ्यक्रम, समयावधि व भविष्य में उनकी उपयोगिता के बारे में लाभान्वित किया। उन्होंने व्यावसायिक उन्नति के लिए स्टाफ को भी महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों से अवगत करवाया।

### अध्यक्ष के साथ औपचारिक बैठक

संस्थान के संकाय सदस्यों की विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता के साथ औपचारिक बैठक हुई। संस्था प्रधान ने उन्हें बी.एस.टी.सी. की गतिविधियों से अवगत करवाया। अध्यक्ष ने नेतृत्व व टीम वर्क की प्रशंसा की। स्टाफ सदस्यों ने अपने अनुभवों को साझा किया। बैठक को संकाय सदस्यों ने लोकतांत्रिक संस्थान की दिशा में एक सराहनीय कदम व संस्थान की ओर अध्यक्ष का जुड़ाव महसूस किया।

### उत्सव व जयन्ती आयोजन

**गांधी जयन्ती एवं शास्त्री जयन्ती :** गांधी जयन्ती व शास्त्री जयन्ती पर छात्राध्यापकों ने कविता, आदर्श जीवन परिचय प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक जोगाराम ने किया।

**डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती :** पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयन्ती पर छात्राध्यापक पंकज कुमार ने कलाम के जीवन के आदर्श, मनीषा ने कविता गान, ओमसिंह ने उनके जीवन सम्बन्धी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। अन्य छात्रों ने भी मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी।

### शनिवारीय गतिविधियाँ

**आशुभाषण प्रतियोगिता :** आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंकज मेघवाल व द्वितीय स्थान प्रकाश सिंह ने प्राप्त किया।

**कविता पाठ प्रतियोगिता :** कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सोहनी विश्नोई, द्वितीय स्थान उमेश सिंह, ओमसिंह एवँ पंकज मेघवाल ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

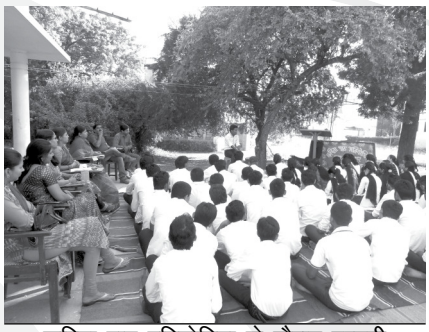

कविता पाठ प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुती

**समूह गीत प्रतियोगिता :** समूह गीत प्रतियोगिता में छात्राध्यापकों ने क्षेत्रीय गीतों का चयन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ओमसिंह एवं पार्टी व द्वितीय स्थान जितेन्द्र कुमार एवँ पार्टी ने प्राप्त किया।

### स्काउट शिविर में किया रक्तदान

द्वितीय वर्ष के छात्रों का स्काउट शिविर उदयनिवास (लकड़वास) में तथा छात्राओं का स्काउट कार्यालय, सूरजपोल में लगा। प्रथम दिन शिविर प्रभारी एम.आर. वर्मा ने आवश्यक निर्देश दिए। द्वितीय दिन से सातवें दिन तक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस मौके पर नियमित सैद्धांतिक कक्षाएँ भी चलीं। छात्राध्यापकों ने शाम को कैम्प फायर में भाग लिया।

इस मौके पर आयोजित रक्तदान शिविर में 13 स्काउट्स ने अध्यापक स्टाफ सदस्य हेमन्त त्रिवेदी, मीना कालरा के सान्निध्य में रक्तदान किया। स्काउट्स में सोहनी विश्नोई, विकास धनखड़, जितेन्द्र मेघवाल, रवीन्द्र सिंह, संजय सिंह, मोहित जाखड़, रमेश चौधरी, दीपाराम-द्वितीय, पंकज मेघवाल, महेन्द्र दमामी, रमेश विश्नोई, पद्मसिंह, मनीष कुमावत शामिल थे।

### अन्य उपलब्धियाँ

संस्थान की हिन्दी व्याख्याता पूनम दवे को पीएच.डी. की उपाधि दी गई। उन्होंने 'संत मावजी महाराज का शिक्षा दर्शनः एक अध्ययन' विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

# विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

## मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र तथा सेवा मन्दिर के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस झाड़ोल में मनाया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं संस्था प्रमुख डॉ. आनन्द सिंह जोधा ने मृदा स्वास्थ्य की उपयोगिता तथा "मेरा गाँव मेरा गौरव" योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे "स्वस्थ धरा तो खेत हरा" की तर्ज पर ही कृषि विज्ञान केन्द्र ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए हैं। मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य परशराम मेघवाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से मृदा परीक्षण में किए गए प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर आयोजित रबी फसल संगोष्ठी में केन्द्र के शस्य वैज्ञानिक मोती सिंह राठौड़ ने कृषकों का आह्वान किया कि जो भी फसल उगाए उसका उन्नत किस्म का बीज ही बुवाई के काम में लेवें। गृहविज्ञान विशेषज्ञ रागिनी राणावत ने कृषकों को परम्परागत एवँ वैज्ञानिक विधि से अनाज के सुरक्षित भण्डारण पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भण्डारण के मूल सिद्धान्त को अपनाते हुए अनाज को साफ सुखाकर व ठण्डा कर ही भण्डारण करें।

## महिलाएँ हुई प्रशिक्षित

महिलाओं के सशक्तीकरण एवँ कौशल विकास की दिशा में कार्य करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र ने दो प्रशिक्षण आयोजित किए। महिलाओं एवँ बच्चों में पोषण सुधार के लक्ष्य से क्यु.पी.एम. (उच्च गुणवत्ता वाली प्रोटीन युक्त मक्का) के उपयोग को बढ़ावा देने के हेतु उनके विभिन्न व्यंजन जैसे केक, बिस्कुट, नान-खटाई, करबा, खमण आदि बनाना सिखाए गए। प्रशिक्षणार्थियों को क्यु.पी.एम. की पौष्टिक विशेषताओं के बारे में अवगत करवाया गया एवँ हर व्यंजन को बनाने का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। 5 दिवसीय इस प्रशिक्षण में 33 महिलाओं ने भाग लिया।

कौशल विकास की दृष्टि से महिलाओं को क्रोशिए की कला पर प्रशिक्षित किया गया। इसमें मौलिक टाँके व फंदे बनाने से लेकर कई आकर्षक वस्तुएँ जैसे टेबल मेट, कोस्टर, ऊनी टोपी, सजावटी सामान आदि बनाना सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में 17 महिलाओं ने भाग लिया।

व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण

## ग्रामीण युवाओं का कौशल विकास

केन्द्र पर कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण एवँ पशु प्राथमिक चिकित्सा पर सरस डेयरी, पाली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण में ग्रामीण युवाओं और पशुधन सहायकों को मिलाकर राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों से आये 13 लोगों ने भाग लिया। युवाओं में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस व्यवसायिक प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को कृत्रिम गर्भाधान जैसी तकनीकों में दक्ष किया गया।

## किसान नवीन तकनीकें अपनाएँ

सांसद आदर्श गाँव टोड़ा (सलूम्बर) में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जय किसान जय विज्ञान दिवस मनाया गया। अध्यक्षता करते हुए स्थानीय सरपंच रमेश मीणा ने किसानों की समस्याओं से अवगत कराया, साथ ही किसानों को नवीन तकनीकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवँ संस्था प्रमुख डॉ. आनन्द सिंह जोधा ने किसानों को केन्द्र की गतिविधियों से अवगत करवाया। आयोजन में केन्द्र के विभिन्न वैज्ञानिकों ने किसानों को बीजोपचार, वर्मीकम्पोस्ट, खरपतवार प्रबंधन, मृदा परीक्षण, जैव कीटनाशक के बारे में बताया। इस अवसर पर 30 किसानों ने भाग लिया।

## कर्मचारियों ने किया श्रमदान

कृषि विज्ञान केन्द्र कर्मचारियों द्वारा विद्या भवन नर्सरी स्कूल में श्रमदान किया गया। इस मौके पर परिसर की साफ-सफाई की गई व सौन्दर्यीकरण हेतु अंलकृत पौधे भी लगाए गए। आगे भी इस संदर्भ में केन्द्र कर्मचारी श्रमदान द्वारा नर्सरी स्कूल में अपनी सेवाएँ देने को प्रतिबद्ध हैं।

## सरसों व चने की प्रदर्शनी

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत केन्द्र द्वारा दलहनी एवँ तिलहनी फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए 31 हैक्टर क्षेत्रफल में सरसों की उन्नत किस्म एन.आर.सी.डी.आर.-2 का प्रदर्शन 116 कृषकों के यहाँ पर नान्दवेल, रूदी और ओरड़ी गाँवों में लगाया गया। चना की उच्च उत्पादन क्षमता वाली किस्म जी. एन.जी.-1581 (गणगौर) का प्रदर्शन नवानिया गांव में 62 कृषकों के खेतों पर लगाया गया। उपरोक्त फसलों की वैज्ञानिक विधि से खेती करने के लिए गाँव स्तर पर प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

## सांसद ने देखा कृषि विज्ञान केन्द्र

स्थानीय सांसद अर्जुन लाल मीणा ने कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने केन्द्र पर संचालित की जाने वाली अलग-अलग गतिविधियों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र आदर्श ग्राम योजना में सांसद ग्राम टोड़ा में कार्य कर रहा है।

प्रदर्शन इकाइयों का अवलोकन करते सांसद

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

# विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

### छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निर्माण

छत्तीसगढ़ राज्य में एस.सी.ई.आर.टी., विद्या भवन व अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में कक्षा-10 की गणित, हिन्दी, अंग्रेजी व विज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तकों पर विषयवस्तु निर्माण व अध्याय लेखन की प्रक्रिया के दौरान काम जारी है। कक्षा 9वीं तथा 10वीं में निर्धारित विषयगत प्रकृति, उद्देश्यों व शिक्षण प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए मापदण्ड विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

### नर्सरी स्कूल इन्टरवेंशन

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के नर्सरी विभाग में अकादमिक सहयोग देने के लिए केन्द्र से छः सदस्यों की टीम तैयार की गई। प्रतिदिन दो सदस्य एल.के.जी. और एच.के.जी. कक्षाओं के साथ काम करेंगे। टीम शिक्षकों के साथ मिलकर प्रिंट-रिच वातावरण तैयार करने, पुस्तकालय को सक्रिय बनाने तथा बच्चों के लिए रुचिकर तरीकों एवँ गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण प्रक्रियाओं को प्रभावी बनाने की दिशा में काम करेगी।

शीतकालीन अवकाश के दौरान नर्सरी शिक्षकों व संदर्भ केन्द्र के सदस्यों ने चार दिवसीय संवाद आधारित कार्यशाला में भाग लिया जिसमें 3-6 वर्ष के बच्चों की प्रकृति और उनके सीखने की प्रक्रिया पर विभिन्न बाल मनोवैज्ञानिकों के विचारों व सिद्धांतों जैसे जीन पियाजे, मैडम मारिया मोंटेसरी और 'प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा पर आधारपत्र-2005' आदि को पढ़कर समूह में चर्चा की गई तथा इनके आलोक में काम की संभावनाओं को तलाशा गया।

### बाराँ स्टडी

शिक्षा केंद्र और आई.आई.एम. उदयपुर के साथ मिलकर बाराँ जिले के सहरिया परिवारों के लिए उपलब्ध विकासात्मक सूचकांकों से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए शोध से जुड़ा है। इस शोध के तहत सर्वे की पूर्व तैयारी में काम में लिए जाने वाले प्रपत्रों को एक्वोफ्लो सॉफ्टवेयर में डिजाइन किया गया। फिर इस प्रपत्र को फोन में डालने व उपयोग करने हेतु विद्या भवन प्रोजेक्ट टीम का प्रशिक्षण 'ऊर्जा इनिशिएटिव' के साथियों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के प्रपत्र को फोन में उपलोड किया गया साथ ही फील्ड में काम करने हेतु सर्वेयरों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। दिसम्बर के अंत तक शाहबाद ब्लॉक के 5000 परिवारों से डाटा एकत्रित किया गया।

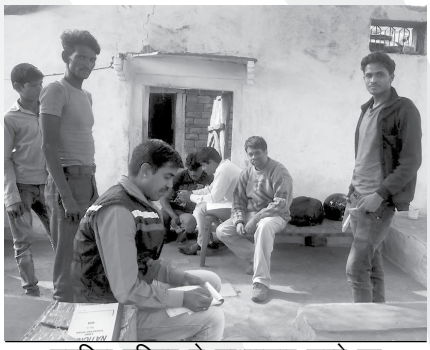

सहरिया परिवार से साक्षात्कार करते हुए

### आई.आई.एम. ड्यूक अध्ययन

ड्यूक अध्ययन के द्वितीय चरण के अंतर्गत

अनुभव

## आकिब के चेहरे पर झलकी खुशी

आकिब मेरे पड़ोस में ही रहता था। तीन भाइयों में सबसे बड़ा लेकिन पढ़ाई में कमज़ोर। दोनों छोटे भाई कक्षा में अव्वल रहते। पर आकिब को घर पर हमेशा डांट पड़ती और जब नंबर कम आते तो मार भी पड़ जाती। उसकी मम्मी उसे रोज मेरे पास छोड़ जाती और कहती आप ही इसे पढ़ाओ। आकिब पहले दिन जब मेरे घर आया तो बहुत डरा-सहमा था। मैंने पूछा बस्ता लेकर क्यों आए हो? तो अपनी नजरें झुकाएं ही उत्तर दिया "पढ़ने"। उस समय वह कक्षा तीन का छात्र था। मैंने उससे कहा 'पर मैं तो तुम्हें नहीं पढ़ाउंगी।' मेरे इस उत्तर से आश्चर्यचकित होकर घर जाने लगा। मैंने उसे रोका और बोला पढ़ाई जब तुम चाहोगे तब, पहले दोस्ती करते हैं। आकिब ने बताया घर पर मम्मी-पापा पढ़ाई के लिए डांटते हैं, स्कूल में टीचर और ट्यूशन पर मैडम। मैंने उससे कहा कि मैं तुम्हें नहीं डाटूंगी, पर इसके लिए तुम्हें मुझसे दोस्ती करनी होगी। उसकी स्वीकृति मुझे जल्दी नहीं मिली लेकिन धीरे-धीरे वह मुझसे अपनी बातें शेयर करने लगा। एक दिन वह खुद ही बोला कि आप मुझे पढ़ाएंगी कब? मैंने कहा तुम पढ़ोगे? तो उसने कहा हां।

फिर धीरे-धीरे उसकी पढ़ाई में सुधार आने लगा। पढ़ाई के साथ वह ड्राइंग भी करने लगा। मैं उसे प्रोत्साहन देती। 10वीं के बाद घरवालों की इच्छा थी कि वह कॉमर्स ले लेकिन आकिब की रूचि ड्राइंग में थी। 10वीं में द्वितीय श्रेणी से पास होने के बाद वह मेरे पास आया और कहा कि मुझे आपसे ही पढ़ना है क्या आपके स्कूल में मेरा दाखिला हो जाएगा? उसके पापा जो पेशे से वकील थे आकिब को वकालात करवाना चाहते थे। बड़ी मुश्किल से घरवालों को समझा कर उसका दाखिला विद्या भवन में करवाया। ग्यारहवीं में दूसरी रैंक तथा बारहवीं में तीसरी रैंक आई। एक दिन वह मेरे पास आया और कहा उसने वकालात की परीक्षा दी और उसे उसमें प्रवेश भी मिल गया। बचपन के उस डरे-सहमे आकिब के चेहरे पर खुशी और गजब का आत्म विश्वास देख कर मेरी पलकें झलक आईं।

-निलोफर मुनीर, शिक्षिका, विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

सकारात्मक कार्यवाही से प्राप्त लाभों से जुड़े प्रपत्रों द्वारा 325 विद्यार्थियों से डाटा एकत्र किया गया। इसमें सलुम्बर, मावली, गोगुन्दा, खेरवाड़ा तथा सराड़ा कस्बों के साथ उदयपुर शहर के मीरा कन्या महाविद्यालय, इंजीनियरिंग व नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी शामिल थे। यह कार्य मार्च 16 तक पूर्ण किया जाना है साथ ही 10 शिक्षक साक्षात्कार प्रपत्रों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद किया गया। फील्ड से प्राप्त डाटा के टेबुलेशन व इनपुटिंग की प्रक्रिया जारी है।

**हजीरा प्रोजेक्ट का आंतरिक मूल्यांकन**

शिक्षा केन्द्र की हजीरा शाखा 2006 से 16 स्कूलों के साथ काम कर रही है। अतः शाखा के 10 वर्ष के कामों की समीक्षा करने और इसे बेहतर बनाने की संभावनाएँ तलाशने के लिए प्रोजेक्ट के आंतरिक मूल्यांकन का निर्णय लिया गया। इसके लिए 4 लोगों की टीम बना कर वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के लिए गतिविधि केन्द्रों का अवलोकन, संचालिकाओं के साथ साक्षात्कार, स्कूल अध्यापकों और बच्चों के साथ बातचीत के आधार पर मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन की रिपोर्ट लिखी जा रही है।

**हजीरा प्रोजेक्ट**

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा बनाई गई एकीकृत योजना के अनुरूप 11 सेंटर्स के 500 बच्चों को गणित की 3, अंग्रेजी की 2 और गुजराती की 1 वर्कशीट करवाई। दो दिवसीय प्लानिंग मिटिंग के दौरान कक्षावार मासिक गतिविधि और उसके दस्तावेजीकरण की योजना बनाई गई। एक दिवसीय मिटिंग में तालुका और जिला शिक्षा अधिकारियों से अपने प्रोजेक्ट, उसकी गतिविधियों और उद्देश्यों के बारे में बात की गई।

केन्द्र द्वारा स्कूली अध्यापकों और अनुदेशकों के लिए ऑरीगेमी, विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित गतिविधि के आधार पर गणितीय गतिविधियों की समझ एवँ आर्ट एण्ड क्राफ्ट के लिए कुल 8 दिवसीय कार्यशालाएँ आयोजित की गई। जिनमें लगभग 25 शिक्षकों और 11 अनुदेशकों ने भागीदारी निभाई। राजगिरी और जूनागाम विद्यालय के लगभग 330 बच्चों के लिए साइंस एक्सपेरीमेंट इंवेट आयोजित किए गए। हजीरा और लिजेन्ट पब्लिक स्कूल के लगभग 440 बच्चों के लिए मैट्रिक मिजर्स आयोजित किया गया। केन्द्र के एक साथी के लिए ई-गवर्नेंस कार्यक्रम और युवा जंक्शन कार्यक्रम के बारे में जानने हेतु एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया।

गतिविधियों में भाग लेते हुए

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

अनुभव

## क्षमताओं को निखारा विद्या भवन ने

**विद्या भवन ने लगभग डेढ़ दशक के जुड़ाव में कितनी यादें, घटनाएं, किस्से दिए हैं जो शब्दों में व्यक्त नहीं हो सकते। यहाँ जिस तरह के काम के मौके मुझे मिले हैं– खासकर अपनी क्षमताओं को पहचानने और निखारने में, उन्हें कभी भूला नहीं जा सकेगा। कामों का अलग–अलग दायरा, पहलू, उनकी बारीकियाँ, उन्हें समझने का तरीका, टीम के साथ काम करने का अनुभव, चीजों को व्यवस्थित करना, निर्देशित करना, अपने आप में अहम् चुनौती है जिसे स्वीकार करके ही आगे बढ़ा जा सकता है या यूँ कहें कि मेरी स्कूली शिक्षा ने जो बीज मुझमें बोए थे, उससे नई पौध का बनना, उसका विस्तार, उसकी शाखाएँ बढ़ने–बढ़ाने का कार्य विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र के अनुभव ने किया। डाटा संग्रहित कर उसका विश्लेषण एवँ रिपोर्ट लेखन, बच्चों, शिक्षकों एवं स्कूल के साथ प्रत्यक्ष एवँ परोक्ष रूप से जुड़ना, पाठ्यपुस्तक एवं सामग्री निर्माण से लेकर प्रशिक्षण तक की ज़िम्मेदारी, लीडरशीप कार्यक्रम का हिस्सा होना, विद्या भवन के अन्य संस्थाओं से जुड़ने का मौका इत्यादि अनेक ऐसे कार्य हैं जिनसे मैं जुड़ी और अपनी पहचान बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ी।**

**काम चाहे कैसा भी हो, जिसमें टीम के साथ मिलकर काम करना हो या कोई प्रोजेक्ट जिसे लीड करना हो आदि को करने में हमेशा अपनी ओर से अच्छा देने का प्रयास रहा। अपने पूरे इस अनुभव में कुछ कार्य ऐसे हैं जिन्होंने मेरी पहचान को रखने का प्रयास किया। दो प्रोजेक्ट जिनमें से एक एन.एफ.ई. (सर्टीफिकेशन कोर्स) जो बुनियादी पड़ाव था एवँ दूसरा लाइब्रेरी एजूकेटर कोर्स प्रोजेक्ट जिसने मेरी पहचान को एक अलग दिशा दी। इन दोनों कार्यों के ज़रिए मुझे पढ़ने–समझने का, अन्य संस्थाओं के साथ संवाद कायम करने का, अपनी समझ और अभिव्यक्ति का दायरा बढ़ाने का अवसर मिला।**

**हालांकि अच्छे अनुभवों के साथ कड़वे, मीठे–बुरे अनुभव भी होते हैं पर जिन्दगी चलने का नाम है, अतः उनसे सबक लेकर आगे बढ़ना ही अच्छा रहता है। सभी कार्यों के खट्टे–मीठे अनुभव, अपनी भूमिका, कार्यस्थल पर टीम का साथ, लंच टाइम में सबके साथ एक गोले में जमीन पर बैठकर खाना, चाय का समय, डेड लाईन के लिए तत्परता आदि ऐसे अनुभव हैं जो जिन्दगी भर मेरे साथ रहेंगे और जिन्हें याद किए बिना रहा नहीं जा सकेगा।**

**–ज्योति चोरडिया, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र**

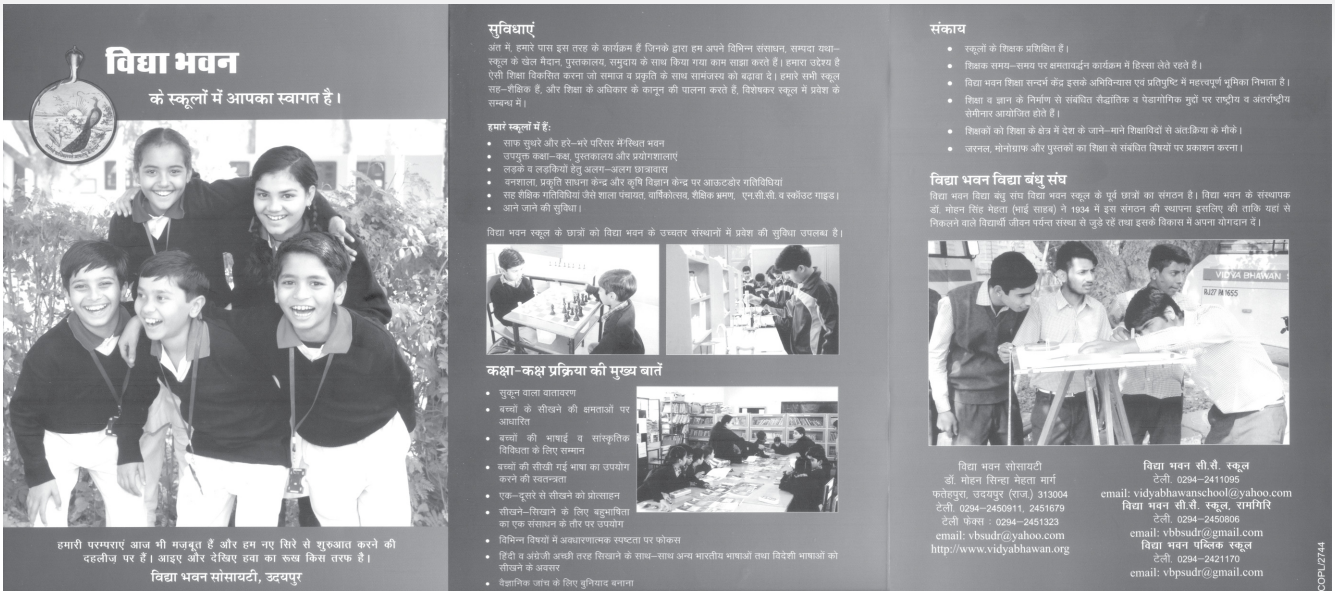


**विद्या भवन के तीनों स्कूलों में प्रवेश प्रारम्भ है। तीनों स्कूल में बच्चों को जोड़ने तथा अभिभावकों को स्कूलों की विशेषताएँ बताने के लिए ब्रॉशर तैयार किया गया है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों ही भाषाओं में है। सीनियर सैकण्डरी स्कूल में विद्यार्थी कक्षा–6 से 12 में प्रवेश ले सकते हैं। यहाँ सीनियर सैकण्डरी स्तर पर कला, विज्ञान और वाणिज्य विषय संचालित हैं। जूनियर स्कूल में पहली से पाँचवीं तक तथा नर्सरी स्कूल में प्रवेश प्रारंभ हैं। विद्या भवन पब्लिक स्कूल में कक्षा 1 से 12वीं तक प्रवेश प्रारंभ है। सी.बी.एस.ई. बोर्ड द्वारा संचालित इस स्कूल में विद्यार्थी कला तथा वाणिज्य विषय ले सकते हैं। विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि में विद्यार्थी नर्सरी से कक्षा 12वीं तक प्रवेश ले सकते हैं। यहाँ कला तथा वाणिज्य विषय संचालित हैं।**

...पृष्ठ 3 का शेष

एवँ प्रौद्योगिकी विभाग, चित्रकूट नगर, में आयोजित परिचर्चा में अध्यापिका नीतू व्यास व गीता पालीवाल ने भाग लिया ।

### कहानी सुनाई

एल.के.जी. व एच.के.जी. की पहली मूल्यांकन परीक्षा में बच्चों की प्रगति को जाँचा गया। महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर उनके बचपन से जुड़ी कहानी सुनाई और समय की पाबंदी विषय पर चर्चा की गई। इसी प्रकार दशहरे के पर्व पर भी बच्चों से चर्चा की गई।

### विद्यालयी गतिविधियाँ

गीतांजलि कॉलेज डबोक में विज्ञान मॉडल व चार्ट प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा 10 से 12 के 22 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें योगेश डाँगी, राहुल सुथार, आदिल शेख, मोहन कुमावत, यशवन्त सैनिक, आशा राजपूत, राहुल लौहार, भवानी सिंह, रमेश सुथार, भुवनेश सैनिक, महिमा पटेल, जयदेव सोनी, आशुल नागौरा, सुमन पासवान, अभिषेक व्यास, चंदन पूर्बिया, नवभारत कोटिया, शक्ति पडियार, नीतू चुण्डावत, रोनक डोडीयार, मनोज माहरेजा, हिम्मत रेगर शामिल थे ।

क्रिसमस पर्व पर क्रिसमस व नए साल के कार्ड व चार्ट बनाए गए । विद्यार्थियों ने पूर्ण रुचि के साथ उन कार्डों में अपनी प्रतिभा को निखारा। क्रिसमस ट्री को सजाया गया व क्विज़ प्रतियोगिता रखी गई। खेल-खेले व कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई ।

**रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा**

कोई अहसास नया-नया सा है
ख्वाबों का आसमां खुला-खुला सा है
कोई सूकून कोई करार मिला है
जाने क्यों दिल खिला-खिला सा है
यूँ लगा इंतजार खत्म हुआ आज
बुझा-बुझा सा था जो दीप, रोशनी से अब समा धुला-धुला सा है
मुरझा सा गया था बहारों में भी कोई एक फूल
जो अब खिला-खिला सा है
जो कुछ खोया, वो पाया-पाया सा है!

**किशन लाल गमेती, स. कर्मचारी,**
**विद्या भवन सी. सै. स्कूल**

**Book-Post (Printed Matter)**

**If undelivered please return to:**
**Vidya Bhawan Education Resource Centre**
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

**To,**
.....
.....
.....
.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479